

साम्बा सब-1: बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के लिये धान की बौनी उन्नत किस्म कृषि कुंभ (अगस्त, 2022), खण्ड 02 भाग 03, पृष्ठ संख्या 42-43

साम्बा सब-1: बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के लिये धान की बौनी उन्नत किस्म

राम लला पटेल ¹, डॉ. बैज नाथ सिंह ², यशवंत कुमार ³ एवं अंशु चौब ⁴,



¹ एम0,एस0सी0 (कृषि), आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी (उत्तर प्रदेश)

² चेयरमैन, सेंटर फॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट गोरखपुर

³ एम0,एस0सी0 (कृषि) एग्रोनॉमी, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी, उत्तर प्रदेश

⁴ एम0,एस0सी0 (कृषि) आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी, उत्तर प्रदेश, भारत।

E.mail : patelramlalapatel@gmail.com

भारत में धान की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है— पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और तमिलनाडु आदि कई ऐसे राज्य हैं जहां मुख्य रूप से धान की खेती होती है— झारखंड जैसे राज्य के खेतों में धान की खेती 71 प्रतिशत भूमि पर उगाया जाता है— यहां राज्य की बहुसंख्यक आबादी का प्रमुख चावल है—

देश के कई प्रदेशों में बाढ़ हर साल की समस्या बनकर आती है। बिहार, उत्तर प्रदेश, असम, पश्चिम बंगाल सहित कई प्रदेश इससे प्रभावित होते हैं ऐसे में धान की साम्बा सब-1 किस्म ऐसे खेतों के लिये बहुत ही उपयोगी है

सम्बा सब-1 :-

धान की सम्बा सब-1 प्रजाति के पौधे बाढ़ के पानी में 14 से 15 दिन तक डूबे रहने के उपरांत भी मरते नहीं हैं और खेत से पानी निकलते ही पौधों में न, हरे कल्ले व पत्तिया निकलने लगती हैं और अंत में सामान्य परिस्थिति

की भांति ही 4 से 5 टन प्रति हेक्टेयर तक पैदावार दे जाती है।

धान की साम्बा सब-1 प्रजाति में डवार्फिन जीन की तरह का ही एक बाढ़-अवरोधी जीन जिसका नाम सब-1 है डाला गया है जिससे यह प्रजाति बाढ़ के पानी में 14 से 15 दिन तक डूबे रहने के उपरांत भी मरते नहीं हैं। इसका चावल साम्बा मसूरी की तरह मध्यम पतला है और खाने में उससे बढ़िया है।

साम्बा सब-1 बाढ़ग्रस्त एवं सिंचित/असिंचित खेतों के लिये धान की बौनी उन्नत है।

खेत की तैयारी :-

गर्मी के समय में धान की खेती के लिए 2 से 3 बार जुताई करना चाहिए, वर्षा होने पर मुख्य खेत में मिट्टी पलटने वाले हल या कल्टीवेटर से अप्रैल व मई माह में जुताई कर खुला छोड़ दे तथा पाटा न चलाये. साथ ही खेतों

की मजबूत मेड़बन्दी भी कर देनी चाहिए। इस प्रक्रिया से खेत में वर्षा का पानी अधिक समय के लिए संचित भी किया जा सकता है। वहीं अगर हरी खाद के रूप में ढ़ैचा/सनई ली जा रही है तो इसकी बुवाई के साथ ही फास्फोरस का भी प्रयोग कर लिया जाएगा।

धान की बुवाई/रोपाई के लिए एक सप्ताह पूर्व खेत की सिंचाई कर देना चाहिए। वहीं खेत में खरपतवार होने के बाद इसके पचात ही बुआई के समय ही खेत में पानी भरकर जुताई कर दें।

बीज की मात्रा :-

धान की सम्बा सब-1 प्रजाति की सीधी बुआई के लिये मई में बुवाई करने पर 12 किलोग्राम बीज तथा जून के दूसरे पखवाड़े में बोने पर 10 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ लगता है तथा रोपाई बिधि में नर्सरी के लिये भी 10 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ लगता है— वहीं कई लोग नर्सरी बनाने से पहले बीज का शोधन करते हैं— इसके लिए वो 25 किलोग्राम बीज में 4 ग्राम स्ट्रेपटोसईक्लीन तथा 75 ग्राम थीरम का प्रयोग करके बीज को गोधिक करके बुआई करते हैं—

उर्वरक प्रबंधन :-

धान की फसल में उर्वरक की मात्रा का प्रयोग काफी आवश्यक होता है, किसान रोपनी के कार्य के बाद अगर इन चीजों का प्रबंधन उचित ढंग से करें तो पैदावार अच्छे तरीके से किया जा सकता है— किसान धान की खेती के लिए यूरिया का प्रयोग अधिक मात्रा में करते हैं जिससे उनको नुकसान होता है।

एक एकड़ सीधी बुवाई या रोपाई वाले खेत में 50:25:50 किलो नाइट्रोजन, फॉस्फोरस व पोटैश की दर से प्रयोग करें— जिंक, सल्फर तथा फेरस सलफेट 10 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से इन तत्वों की कमी वाले खेतों में प्रयोग करें—

सिंचाई :-

धान की फसल को फसलों में सबसे अधिक पानी की आवश्यकता पड़ती है फसल को कुछ विशेष अवस्थाओं में रोपाई के बाद एक सप्ताह तक कल्ले फूटने वाली, बाली निकलने फूल निकलने तथा दाना भरते समय खेत में पानी बना अति आवश्यक है—

कीट व रोग प्रबंधन :-

कीड़ों की रोकथाम के लिये मोनोक्रोटोफास 36 इ.सी. का 600 एम.एल. या क्लोरपायरीफास 20 इ.सी. का एक लीटर प्रति एकड़ की दर से 120 लीटर पानी को घोल कर ताना छेदक या साडा कीट के रोकथाम के लिये प्रयोग करें—

कवक जनित रोगों के लिये कार्बेन्डाजिम 50 WP का 0.1% घोल का दो बार, बालिया निकलते समय तथा उसके 15 दिन बाद छिडकाव करें— शीथ ब्लाइट के लिये हेक्साकोनाज़ोल दवा का 0.2% की दर से छिडकाव करें— आभाषी कंड की रोकथाम के लिये प्रोपिकोनाज़ोल का 0.1% घोल बालियों के गाभा का समय, तथा दोबारा 15 दिन बाद छिडकाव करें।

पैदावार : एक एकड़ में 25 क्विंटल तक पैदावार ली जा सकती है।